राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद

Q.1: परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए कौन-कौन से तर्क दिए?

Ans : परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए तर्क देते हुए कहा कि आप किसलिए इतना क्रोध कर रहे हैं। श्री राम को तो यह धनुष नए समान धनुष के जैसा लगा। श्रीराम ने इसे तोडा नहीं बस उनके छूते ही धनुष खुद टूट गया ऐसे कई धनुष हमने बचपन में तोडें है। इस धनुष तोड़ते हुए उन्होंने किसी लाभ व हानि के विषय में नहीं सोचा।

Q.2: परशुराम के क्रोध करने पर राम और लक्ष्मण की जो प्रतिक्रियाएँ हुईं उनके आधार पर दोनों के स्वभाव की विशेषताएँ अपने शब्दों में लिखिए।

Ans : राम जी के स्वभाव की विशेषताएं:-परशुराम के क्रोध करने पर श्रीराम ने धीरज से काम लिया। उन्होंने नम्रता पूर्ण वाक्यों का सहारा लेकर परशुराम के क्रोध को शांत करने का प्रयास किया। उनकी भाषा अत्यंत कोमल व मीठी थी। राम विनम्र, धैर्यवान, मृदुभाषी व बुद्धिमान व्यक्ति थे।लक्ष्मण जी के स्वभाव की विशेषताएं:-लक्ष्मण क्रोधी स्वभाव के थे।उनमें निडरता कूट-कूट कर भरी थी। लक्ष्मण निडर, साहसी, क्रोधी तथा अन्याय विरोधी स्वभाव के थे।

Q.3: लक्ष्मण और परशुराम के संवाद का जो अंश आपको सबसे अच्छा लगा उसे अपने शब्दों में संवाद शैली में लिखिए।

Ans : लक्ष्मण- हे मुनि! बचपन में हमने खेल खेल में ऐसे बहुत से धनुष तोड़े हैं तब तो आप कभी क्रोधित नहीं हुए थे। फिर इस धनुष के टूटने पर इतना क्रोध क्यों कर रहे हैं?
परशुराम- अरे, राजपुत्र! तू काल के वश में आकर ऐसा बोल रहा है। यह शिवजी का धनुष है।

Q.4: परशुराम ने अपने विषय में सभा में क्या-क्या कहा, निम्नपद्यांश के आधार पर लिखिए -बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही||भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्हदीन्ही||सहसबाहुभुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा||मातु पितहि जनि सोचबस करसि महीसकिसोर।गर्भन्ह के अर्भक दलन परसु मोर अति घोर||

Ans : लक्ष्मण के परशुराम को व्यंग्य कसने पर परशुराम ने कहा- कि वे बाल ब्रह्मचारी है और क्रोधी स्वभाव के हैं। वे समस्त संसार में क्षत्रिय कुल के शत्रु के रूप में प्रसिद्ध है। वे अभिमान से बताते हैं कि उन्होंने अनेकों बार पृथ्वी को क्षत्रियों से विहीन कर ब्राह्मणों को दान दिया है और उनके इस फरसे ने सहस्त्रबाहु के बाहों को काट डाला है। अतः राजकुमार! मेरे इस फरसे को अच्छे से देख लो, इसकी भयानकता गर्भ में पल रहे शिशु को भी नष्ट कर देती है।उनका फरसा बहुत ही भयानक है।

Q.5: लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या-क्या विशेषताएँ बताई?

Ans : लक्ष्मण ने वीर योद्धा की निम्नलिखित विशेषताएं बताई है:-*वीर पुरुष अपनी महानता का गुणगान खुद नहीं करते।*युद्धभूमि में शूरवीर युद्ध करते हैं।*स्वयं पर कभी

अभिमान नहीं करते।*वीर पुरुष किसी के खिलाफ गलत शब्दों का प्रयोग नहीं करते।*वह अन्याय के विरुद्ध हमेशा खड़े रहते हैं।

mc24 Myclass24
Your Class. Your Pace.